॥ श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम् ॥

.. shrIrAjarAjeshvaryaShTakam ..

sanskritdocuments.org

July 26, 2016

Document Information

Text title : rAjarAjeshvaryaShTakam
File name : rajeshvari8.itx
Category : aShTaka
Location : doc_devii
Language : Sanskrit
Subject : Devotional
Transliterated by : Kapila Shankaran Love kapilalove at gmail.com
Proofread by : Sowmya Ramkumar
Latest update : January 29, 1998
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम् ॥

॥ श्रीराजराजेश्वर्यष्टकम् ॥

अम्बा शाम्भवि चन्द्रमौलिरबलाऽपर्णा उमा पार्वती
काली हैमवती शिवा त्रिनयनी कात्यायनी भैरवी ।
सावित्री नवयौवना शुभकरी साम्राज्यलक्ष्मीप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ १॥

अम्बा मोहिनि देवता त्रिभुवनी आनन्दसंदायिनी
वाणी पल्लवपाणिवेणुमुरलीगानप्रिया लोलिनी ।
कल्याणी उडुराजबिम्ब वदना धूम्राक्षसंहारिणी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ २॥

अम्बा नूपुररत्नकङ्कणधरी केयूरहारावली
जातीचम्पकवैजयंतिलहरी ग्रैवेयकैराजिता ।
वीणावेणु विनोदमण्डितकरा वीरासने संस्थिता
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ३॥

अम्बा रौद्रिणि भद्रकालि बगला ज्वालामुखी वैष्णवी
ब्रह्माणी त्रिपुरान्तकी सुरनुता देदीप्यमानोज्वला ।
चामुण्डा श्रितरक्षपोषजननी दाक्षायणी वल्लवी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ४॥

अम्बा शूलधनुः कशाङ्कुशधरी अर्धेन्दुबिम्बाधरी
वाराहीमधुकैटभप्रशमनी वाणी रमासेविता ।
मल्लद्यासुरमूकदैत्यमथनी माहेश्वरी चाम्बिका
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ५॥

अम्बा सृष्टविनाशपालनकरी आर्या विसंशोभिता
गायत्री प्रणवाक्षरामृतरसः पूर्णानुसंधी कृता ।
ओङ्कारी विनतासुतार्चितपदा उद्दण्ड दैत्यापहा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ६॥

अम्बा शाश्वत आगमादिविनुता आर्या महादेवता
या ब्रह्मादिपिपीलिकान्तजननी या वै जगन्मोहिनी ।
या पञ्चप्रणवादिरेफजननी या चित्कला मालिनी
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ७॥

अम्बापालितभक्तराजदनिशं अम्बाष्टकं यः पठेत्
अम्बालोलकटाक्षवीक्ष ललितं चैश्वर्यमव्याहतम् ।

अम्बा पावनमन्त्रराजपठनादन्ते च मोक्षप्रदा
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी ॥ ८॥

॥ इति श्रीराजराजेश्वर्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Kapila Shankaran
October 20 1998

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. shrIrAjarAjeshvaryaShTakam ..
was typeset on July 26, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*